



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 02 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

- विषय: (i) दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश कम होगी, लेकिन अगले 2 दिनों के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
(ii) पूर्वोत्तर भारत में बारिश बढ़ेगी और अगले 5 दिनों के दौरान इस इलाके में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
(iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान मध्य और पूर्वी हिमालय की तलहटी में बारिश बढ़ेगी।

आज, 02 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और तटीय व दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ सौराष्ट्र और मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, सिक्किम, ओडिशा, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात क्षेत्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और कोंकण में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ़ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में और पूर्वी सिरा औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में स्थित है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और आस-पास के इलाकों में कल बना सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र कमजोर पड़कर कम दबाव क्षेत्र में बदल गया और 1 अगस्त, 2026 को शाम 5:30 बजे (IST) दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आस-पास के इलाकों में बना रहा। आज, 2 अगस्त, 2026 को सुबह 8:30 बजे (IST) भी यह उसी इलाके में बना हुआ था।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर पश्चिमी राजस्थान से उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर दक्षिण गुजरात से उत्तरी केरल तक एक ऑफ-शोर ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तराखंड और आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी पाकिस्तान और आस-पास के इलाकों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश और उससे सटे उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से कोमोरिन क्षेत्र तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ 4 अगस्त, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की संभावना है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-6 अगस्त और 8 अगस्त को; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 2-8 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 3-6 अगस्त के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4-7 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3-7 अगस्त के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 2 अगस्त को काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 7 अगस्त को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 2 अगस्त और 7-8 अगस्त के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-3 अगस्त और 8 अगस्त को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 अगस्त और 8 अगस्त को; पश्चिमी राजस्थान में 3-8 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 2-8 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-8 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 2 अगस्त को कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ उत्तराखंड में 2-8 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-5 अगस्त के दौरान; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 2-8 अगस्त के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 3-4 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3-6 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 2 अगस्त को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 2-6 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 2-3 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 3-5 अगस्त के दौरान विदर्भ; और 2 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 7-8 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 4-8 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 2 अगस्त और 6-8 अगस्त के दौरान विदर्भ; और 3-8 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-6 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान विदर्भ; और 2-6 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 6-8 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 5-8 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; और 3-8 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 2-8 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 3-8 अगस्त के दौरान झारखंड; और 2-5 अगस्त के दौरान बिहार में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 अगस्त को झारखंड; और 6-8 अगस्त के दौरान बिहार में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 2-3 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम

बंगाल और सिक्किम; 2-5 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड; और 2-8 अगस्त के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 2-6 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और झारखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 6 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5-7 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 2 अगस्त और 4-5 अगस्त को बिहार में; 2-8 अगस्त के दौरान ओडिशा में बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 2-5 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में और 3 अगस्त को बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 4-8 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 2 और 3 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार और झारखंड में, और 2-5 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 2 और 5 अगस्त को; असम और मेघालय में 2-5 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2-8 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 3-4 अगस्त और 6-8 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 6-8 अगस्त के दौरान कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 2-4 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2-6 अगस्त के दौरान कुछ जगहों पर आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 2 अगस्त और 5-7 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 2-3 अगस्त, 5-6 अगस्त और 8 अगस्त को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2-3 अगस्त और 5-8 अगस्त के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 3-4 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4 अगस्त को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 2-8 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में 2 अगस्त को काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 2-8 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में 3-8 अगस्त के दौरान कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में 2 अगस्त को कुछ जगहों पर आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 2-3 अगस्त के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 3 अगस्त को; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में 2 अगस्त को कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, मध्य महाराष्ट्र में 2 अगस्त को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 2-8 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; और 6-8 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-8 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में; और 2-5 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2 अगस्त को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 2-4 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 2-6

अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में; 3 अगस्त को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 5-6 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-3 अगस्त और 6-8 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 3 अगस्त को तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 2 अगस्त को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 2 अगस्त को तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 2-3 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 2-6 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 7 अगस्त तक सोमालिया और ओमान के तटों के साथ और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 2 अगस्त को गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के तटों के पास और उनसे दूर; 2 से 4 अगस्त के दौरान कर्नाटक और केरल के तटों, लक्षद्वीप और कोमोरिन इलाके के पास और उनसे दूर; 2 अगस्त को पूर्वी-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और उससे सटे उत्तरी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; और 3 से 7 अगस्त के दौरान पूर्वी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 7 अगस्त तक श्रीलंका के तट और उससे सटे दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के पास और उनसे दूर; 2 अगस्त को मन्नार की खाड़ी के ऊपर; 3 से 7 अगस्त के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

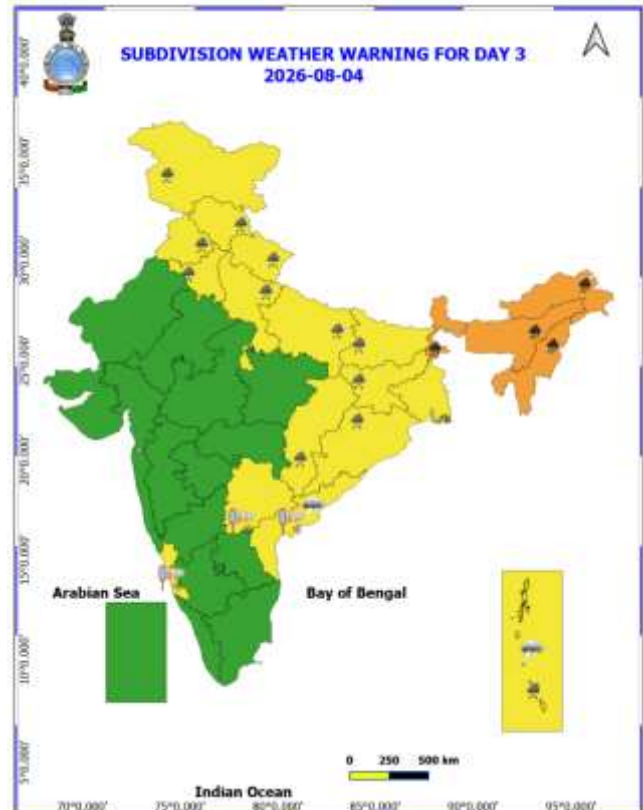
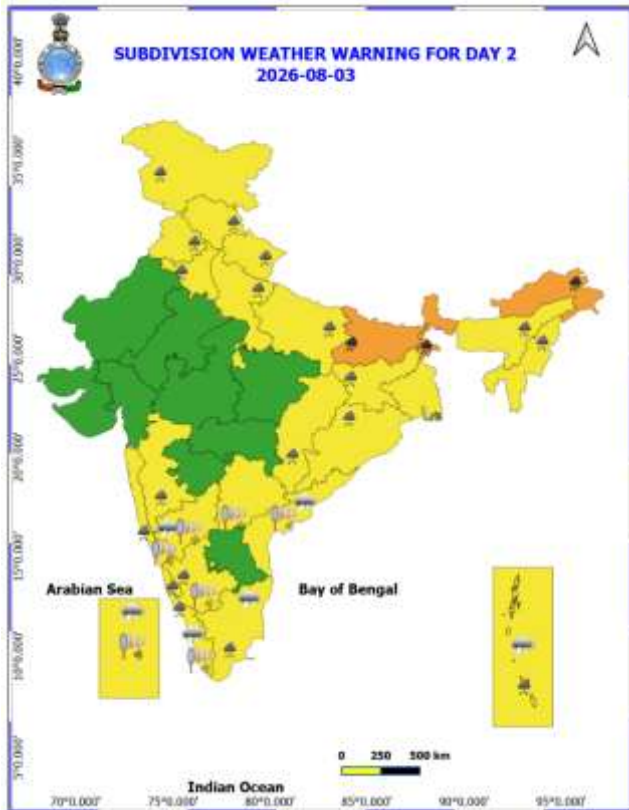
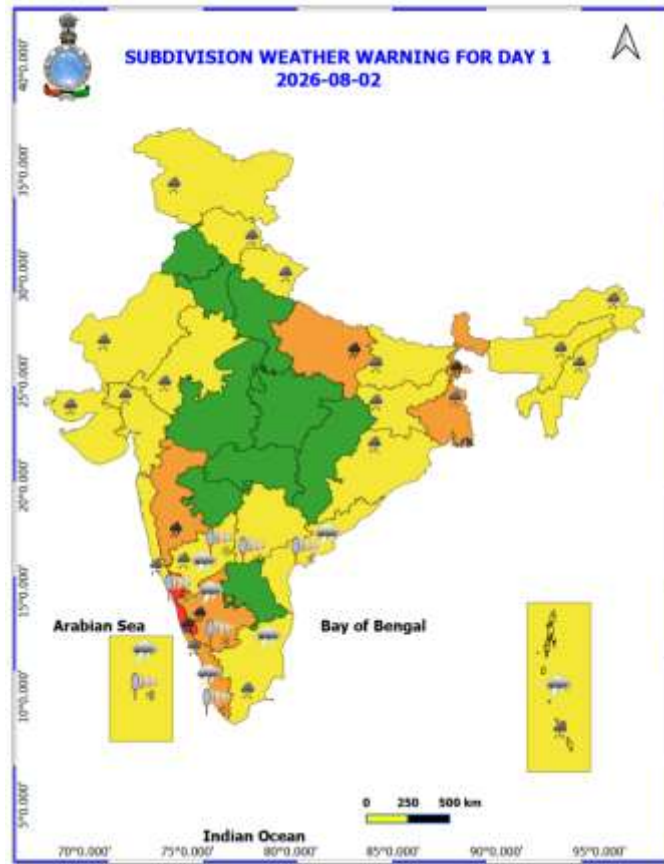
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

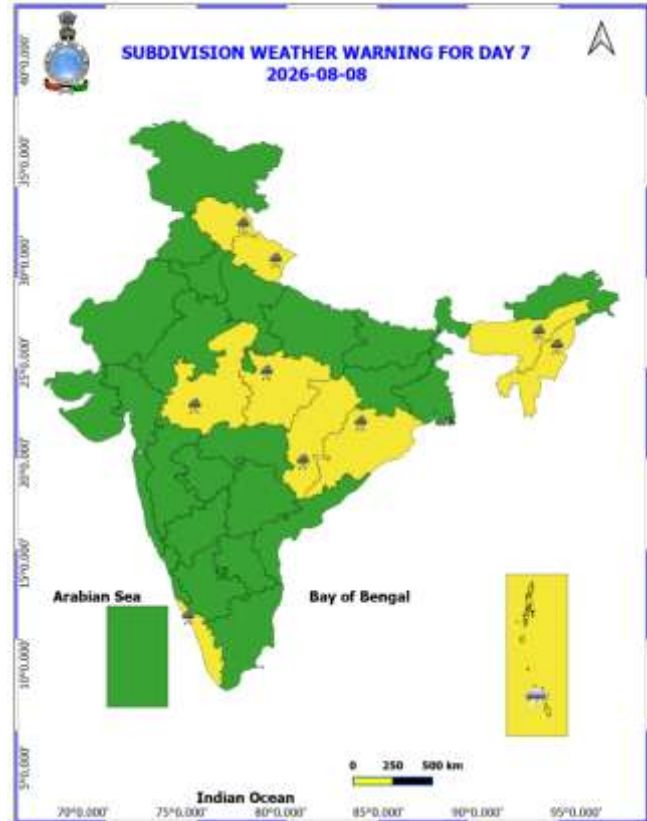
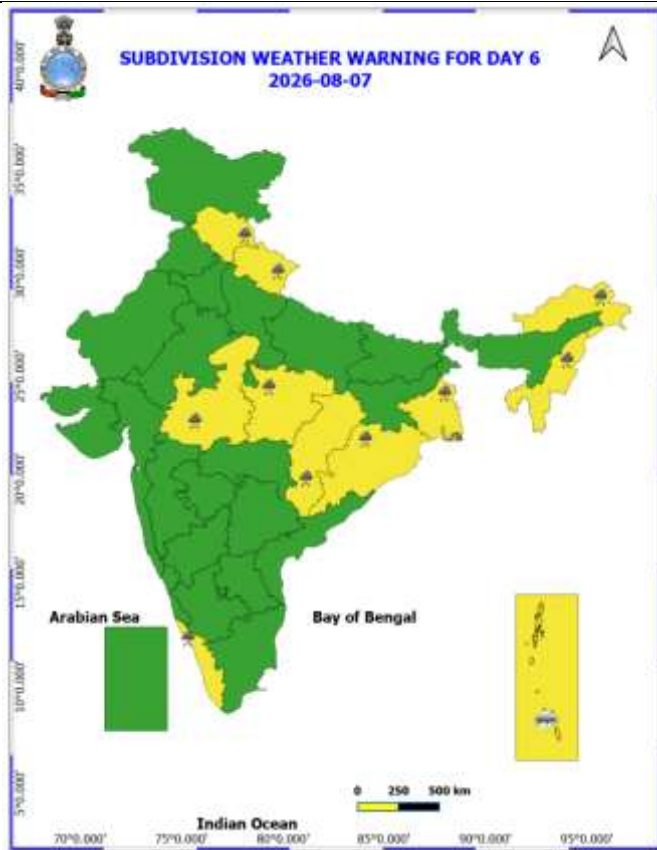
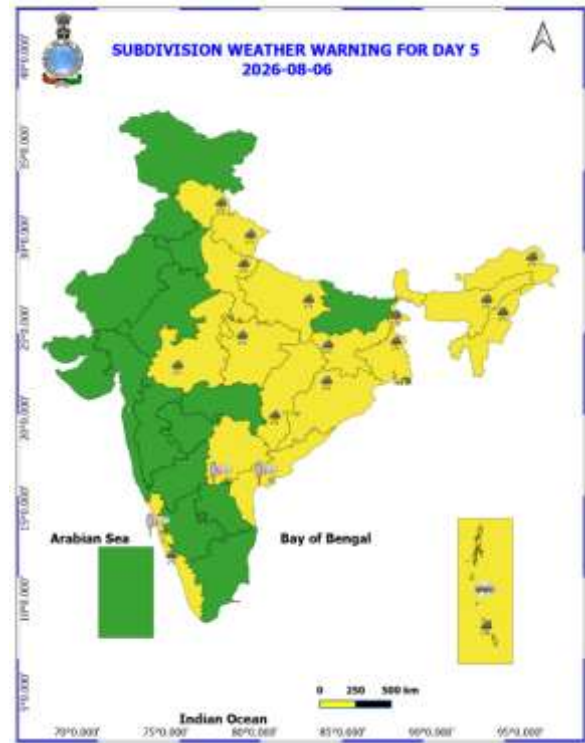
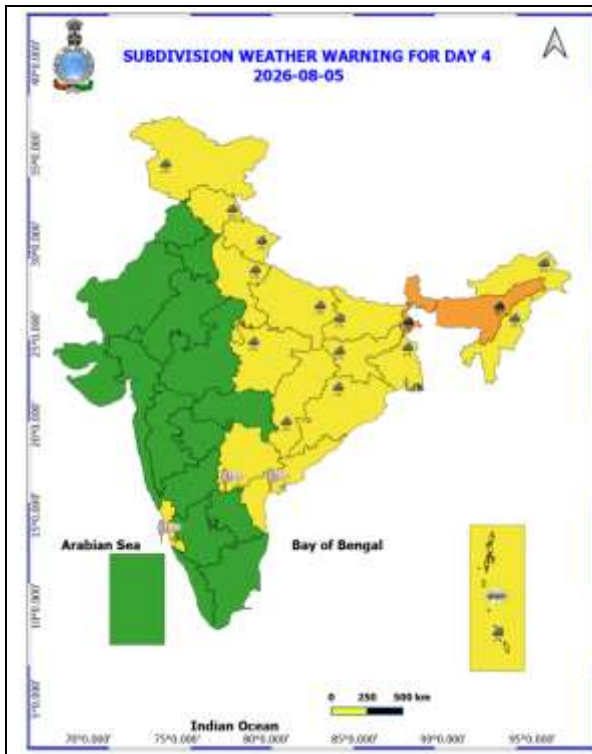
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ केरल: अय्यनकुन्नू (जिला कन्नूर) 36
- ❖ तटीय कर्नाटक: बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 29, सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़) 21
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: बांसी तहसील (सिद्धार्थ नगर) 24
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: थलागुप्पा (जिला शिवमोग्गा) 23, शृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु) 22
- ❖ तमिलनाडु: ऊपरी भवानी (जिला नीलगिरी) 21
- ❖ सौराष्ट्र: मोरबी (जिला मोरबी) 18
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर- इमद ऑब्सी (जिला सतारा) 13, राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 13
- ❖ गुजरात क्षेत्र: कपराडा (जिला वलसाड) 11
- ❖ ओडिशा: ढैकनाल - 11
- ❖ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: बेलगावी - 11
- ❖ हिमाचल प्रदेश: ब्राह्मणी (जिला बिलासपुर) 9
- ❖ मेघालय: मासिनराम 9
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: एम.ओ. पासीघाट (OBS) 9
- ❖ बिहार: रोहतास 8
- ❖ उत्तराखंड: रुद्रप्रयाग (एडब्ल्यूएस) और कीर्तिनगर 7 प्रत्येक
- ❖ सिक्किम: युक्सोम 7
- ❖ पूर्वी राजस्थान: सलूमबर (जिला उदयपुर), खुशालगढ़ (जिला बांसवाड़ा) 7 प्रत्येक
- ❖ कोंकण: माथेरान (जिला रायगढ़) और वाडा (जिला पालघर) 7 प्रत्येक।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Aug	3- Aug	4- Aug	5- Aug	6- Aug	7- Aug	8- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

02 अगस्त से 05 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $22-26^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो पूर्व दिशा से चल रही थी। आज सुबह से दोपहर तक इस इलाके में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहने और पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

02.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और ज़मीन पर 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की गति से तेज़ हवाएं चल सकती हैं। रात के समय कुछ जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

03.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम से रात के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

04.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम/रात के समय कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

05.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम/रात के समय कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत ज़्यादा बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 2 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 3-4 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 4 अगस्त को असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा; 2 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र; और 2 अगस्त को तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम सलाह

- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में, चावल की नर्सरी और मक्का, कपास, अरहर, मूंगफली, मूंग और काले चने जैसी खरीफ फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ कोंकण में, हल्दी, मूंगफली, रोपे गए चावल और बाजरा, पोरसो बाजरा, सब्जियों के खेतों और बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए निचले इलाकों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालें।
- ❖ गुजरात में लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए चावल, कपास, बाजरा, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को बाहर निकालें। लम्बी फसलों (केला, पपीता, गन्ना) के लिए मजबूत बांस की डंडी प्रदान करें।
- ❖ तमिलनाडु में, खड़ी फसलों, सब्जियों के खेतों और बगीचों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ केरलम में, जलभराव को रोकने के लिए केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें।
- ❖ कर्नाटक में, लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए खेत के जल निकासी चैनलों को साफ रखें और धान के खेतों, बगीचों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को बाहर निकालें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए चावल, जूट, अदरक और सब्जी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए चावल, मक्का, सोयाबीन और बाजरा के खेतों, बगीचों और निचले इलाकों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। सभी परिपक्व खीरे, लौकी और अन्य कद्दूवर्गीय सब्जियों की तुरंत कटाई करें और सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करें। रुकने से रोकने के लिए बेलों को बांस के खंभों या जाली से मजबूती से सुरक्षित करें।
- ❖ असम में, लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए खेत के जल निकासी चैनलों को साफ रखें और चावल की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। तेज हवाओं के खिलाफ केले, सब्जियों और अन्य कमजोर फसलों को बांधने या समर्थन प्रदान करें।
- ❖ मेघालय में, लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। नर्सरी बांधों को मजबूत करें और जल निकासी चैनलों को रुकावट से मुक्त रखें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, अवशिष्ट जल-जमाव को रोकने के लिए सोयाबीन, काले चने, अदरक, हल्दी, कोल फसल और सब्जी के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ ओडिशा में, जलभराव को रोकने के लिए नर्सरी बेड, मक्का, दालें (हरा चना, काला चना, अरहर आदि), तिलहन (मूंगफली, तिल आदि), कपास, सब्जियों और फलों के बगीचों जैसी खरीफ फसलों के खेतों से प्रभावी जल निकासी बनाए रखें।
- ❖ बिहार में फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी की उचित व्यवस्था करें और उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग को स्थगित करें।
- ❖ जम्मू और कश्मीर में, जलभराव को रोकने के लिए मक्का, हरे चने, काले चने और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। रोपे गए धान में सिंचाई स्थगित कर दें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, अतिरिक्त वर्षा जल को शीघ्रता से निकालने के लिए चावल, मक्का, बाजरा, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब और नाशपाती के बगीचों में उचित जल निकासी बनाए रखें। जहां भी खेत की स्थिति अनुकूल हो वहां परिपक्व फलों की कटाई करें।
- ❖ उत्तराखंड में, चावल, उड़द, बाजरा, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए प्रभावी जल निकासी बनाए रखें। जहां भी खेत की स्थिति अनुकूल हो वहां परिपक्व टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें।

- ❖ उत्तर प्रदेश में, अरहर, अन्य खड़ी फसल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें, विशेष रूप से जलभराव की संभावना वाले निचले इलाकों से।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में पहले से बोई गई बाजरा, मूंग, तिल, मोठ, ग्वारपाठी, अन्य खड़ी फसलों एवं सब्जियों के खेतों से जल निकासी की आवश्यक व्यवस्था करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मज़बूती से बाँधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ❖ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

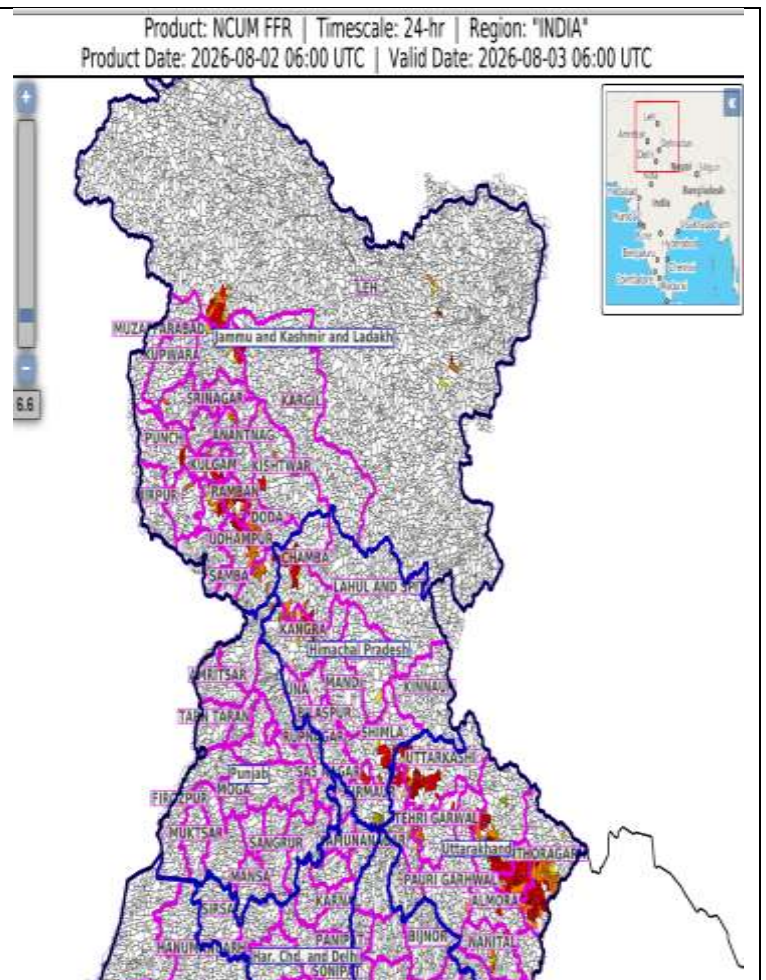
03-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के खतरे (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे दिए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिले।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख - अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, डोडा, गांदरबल, कठुआ, किश्तवाड़, कुलगाम, पुंछ, पुलवामा, रामबन, श्रीनगर, उधमपुर, करगिल और लद्दाख (लेह) जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, नैनीताल, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



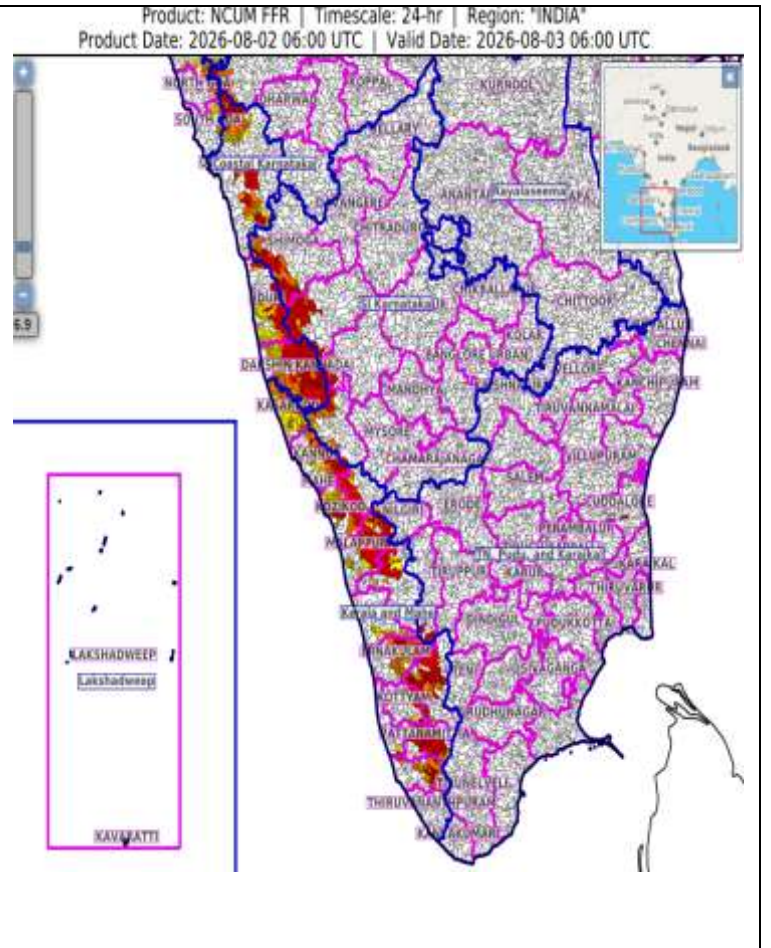
03-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले।

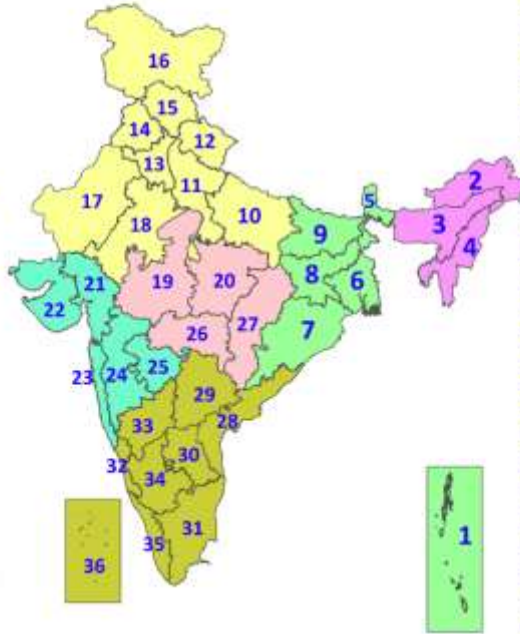
केरल और माहे - अलाप्पुझा, एर्नाकुलम, कन्नूर, कासरगोड, कोल्लम, कोट्टायम, कोझिकोड, मलप्पुरम, पलक्कड़, पथानामथिट्टा, तिरुवनंतपुरम और वायनाड जिले। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक - चिकमगलूर, हासन, कोडगु और शिवमोग्गा जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C. Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C. Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)